## ज़िला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम – 2023 "पंच प्रण" में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

---

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे इस ज़िला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम – 2023 में कोटा - बूंदी की समस्त युवा शक्ति का अभिनंदन करता हूँ।

"युवा उत्सव", युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की अभिनव पहल है। मैं इस कार्यक्रम के आयोजन में भागीदारी निभा रहे नेहरू युवा केंद्र जैसे सभी संगठन और संस्थानों की सराहना करता हूँ।

मुझे बताया गया है कि युवा उत्सव कार्यक्रम जिला से लेकर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है। युवा उत्सव में युवाओं को जोड़कर युवा मन में देश भक्ति की भावना और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों को अधिक समृद्ध बनाने पर ध्यान दिया जा रहा है। युवा उत्सव के माध्यम से देश के युवाओं को भारत की विविध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरुक किया जा रहा है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों और मूल्यों का प्रसार किया जा रहा है।

विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे पेंटिंग, कविता लेखन, फोटोग्राफी कार्यशाला, भाषण प्रतियागिता आदि के माध्यम से युवाओं में इन भावनाओं का विकास किया जा रहा है।

मुझे यह जानकर अत्यंत खुशी हुई है कि पिछले स्वतंत्रता दिवस के दिन माननीय प्रधान मंत्री महोदय द्वारा दिया गया "पंच प्रण" का मंत्र इस "युवा उत्सव" की थीम है।

**विकसित भारत का निर्माण**

**अपनी राष्ट्रीय विरासत पर गर्व**

**गुलामी के हर विचार से मुक्ति**

**एकता और एकजुटता**

**नागरिक कर्तव्य**

पिछले स्वतंत्रता दिवस पर भारत की आजादी को 75 वर्ष पूरे हुए हैं। अब आने वाले 25 साल के लिए हमें विचार करना है। 25 साल बाद 2047 में भारत की स्वाधीनता के 100 वर्ष पूरे होंगे। इन 25 वर्षों के लिए देश ने नए संकल्प लिए हैं और उन्हें पूरा करने के लिए नई ऊर्जा से काम कर रहा है। हमारा ध्येय है कि 2047 का भारत दुनिया में विकास के शिखर पर होगा। भारत वर्तमान की आधुनिकता के साथ अपनी विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ेगा। माननीय प्रधानमंत्री जी के "पंच प्रण" इन संकल्पों को पूरा करने के लिए अति आवश्यक हैं।

पहला प्रण अब देश बड़े संकल्प लेकर ही चलेगा। बहुत बड़े संकल्प लेकर के चलना होगा। और वो बड़ा संकल्प है “विकसित भारत”।

दूसरा प्रण है किसी भी कोने में हमारे मन के भीतर, हमारी आदतों के भीतर गुलामी का एक भी अंश अगर अभी भी कोई है तो उसको किसी भी हालत में बचने नहीं देना है।

तीसरी प्रण शक्ति, “हमें हमारी विरासत पर गर्व होना चाहिए”, हमारी विरासत के प्रति क्योंकि यही विरासत है जिसने कभी भारत को स्वर्णिम काल दिया था। हमें अपनी विरासत को साथ लेकर आधुनिकता की ओर बढ़ना है।

चौथा प्रण है “एकता और एकजुटता”। 130 करोड़ देशवासियों में एकता, न कोई अपना न कोई पराया, एकता की ताकत, ‘एक भारत श्रेष्ठ भारत’ के सपनों के लिए हमारा चौथा प्रण है।

पांचवां प्रण है “नागरिकों का कर्तव्य”।

ये “पंच प्रण” हमारे आने वाले 25 साल के सपनों को पूरा करने के लिए एक बहुत बड़ी शक्ति है।

प्रिय युवा साथियो, हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, दुनिया का सबसे प्राचीन लोकतंत्र भी भारत ही है। इसीलिए भारत को “मदर ऑफ डेमोक्रेसी” कहा जाता है। भारत लोकतंत्र की जननी है। यह आज की बात नहीं है, बल्कि हजारों वर्ष पहले से हमारे यहाँ लोकतांत्रिक संरचनाएं, संस्थाएं मिलते थे, ऐसा प्रमाणित है।

हजारों वर्षों से हमारे इस समृद्ध राष्ट्र पर अनेक संकट आए हैं। बाहरी आक्रमण हुए हैं, हमें औपनिवेशिक शासन झेलना पड़ा है। इन सबके बावजूद इतिहास के हर दौर में हम देखते हैं कि युवाओं ने भारत को सहेजकर, संभालकर रखा है, भारत को गतिमान किया है।

सम्राट चन्द्रगुप्त हो, सम्राट अशोक हो, महाराणा प्रताप हो, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, शहीद भगत सिंह, शहीद चंद्रशेखर आज़ाद। हमारा देश नौजवानों के साहस, सामर्थ्य और बलिदान के बल पर आगे बढ़ता गया है।

आज भी हम देखते हैं कि भारत दुनिया का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। सबसे अधिक आबादी होना चिंता का विषय हो सकता है, लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि हमारे देश की 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज युवा है।

इतनी बड़ी युवा जनसंख्या हमारे लिए अनुकूल है। आज वह समय है जब भारत के युवा ना सिर्फ भारत को बल्कि दुनिया को दिशा दे सकते हैं, पूरी दुनिया को आगे बढ़ा सकते हैं।

आज हमारे नौजवान नई सोच और विचार के साथ इनोवेशन कर रहे हैं, स्टार्ट-अप्स खड़े कर रहे हैं। करीब 1 लाख (99 हजार 380) स्टार्ट अप्स देश में रजिस्टर्ड हो चुके हैं। देश और दुनिया में आमजन के सामने जो समस्याएं हैं, उनका समाधान आज भारत के युवा खोज रहे हैं।

किसानों को खेती-बाड़ी में कोई चुनौती आ रही है तो उसका समाधान आज युवा खोज रहे हैं, व्यापारियों, शिक्षकों सहित हर वर्ग के सामने जो चुनौतियाँ हैं, जो समस्याएं हैं; उनके सोल्यूशंस युवा मस्तिष्क से निकल रहे हैं।

आज दुनिया की बड़ी बड़ी कंपनियों, संस्थान और संगठनों में भारत का युवा नेतृत्व कर रहा है। अमेरिका में सबसे अधिक वैज्ञानिक और डॉक्टर अगर किसी दूसरे देश के हैं तो भारत के हैं।

आजादी के इतने दशकों के बाद पूरे विश्व का भारत की तरफ देखने का नजरिया बदल चुका है। विश्व भारत की तरफ गर्व से देख रहा है, अपेक्षा से देख रहा है। समस्याओं का समाधान भारत की धरती पर दुनिया खोजने लगी है दोस्तों। विश्व का यह बदलाव, विश्व की सोच में यह परिवर्तन 75 साल की हमारी अनुभव यात्रा का परिणाम है।

जब सपने बड़े होते हैं, जब संकल्प बड़े होते हैं तो पुरुषार्थ भी बहुत बड़ा होता है। शक्ति भी बहुत बड़ा मात्रा में जुड़ जाती है।

मैं सामने देख रहा हूँ कि 20-22-25 साल के देश के नौजवान बैठे हैं। 25 साल बाद जब देश आजादी के 100 साल मनाएगा। तब आप 50-55 के हुए होंगे, मतलब आपके जीवन का ये स्वर्णिम काल, आपकी उम्र के ये 25-30 साल भारत के सपनों को पूरा करने का काल है।

आप संकल्प ले करके चल पड़िए साथियो, हम सब पूरी ताकत से लग जाएं। मेरा देश विकसित देश होगा। विकास के हरेक पैरामीटर में हम आगे बढ़ेंगे। हम अपनी उन्नति तो करें ही, साथ में राष्ट्र की प्रगति भी सुनिश्चित करें।

आप युवाओं में से कल को कोई डॉक्टर बनेगा, कोई सेना में जाएगा, कोई इंजीनियर बनेगा तो कोई प्रशासनिक अधिकारी बनेगा। आप जिस भी पद पर पहुँचे, जो भी उपलब्धि हासिल करें; एक बात मानकर चलें कि आपकी सफलता सिर्फ आपकी सफलता नहीं है। आपकी उपलब्धि सिर्फ आपकी अपनी उपलब्धि नहीं है। आपको आपकी उपलब्धि से देश को जोड़ना है। अपनी उन्नति से देश की प्रगति सुनिश्चित करनी है।

आप जिस भी फील्ड में जाएं, उसमें ऐसा काम करें, जिससे भारत का विकास हो, हमारा देश आगे बढ़ें। राष्ट्रहित के भाव से आपको कार्य करना है। मुझे आशा है कि आप सभी नौजवान राष्ट्र-प्रथम के संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे।

---